Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-8 कानपुर, शनिवार 2 मार्च 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आलू उत्पादक किसानों ने सब्जी अनुभाग का किया भ्रमण

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी अनुभाग केंद्र कल्याणपुर में आज जनपद कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने भ्रमण कर सब्जी उत्पादन की तकनीकी/बारीकियों की जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ राम बटुक सिंह ने आलू उत्पादन की नवीनतम तकनीकियों के बारे में किसानों को विस्तार से अवगत कराया। डॉ संजीव कुमार ने किसानों को मसाला फसलों की नवीनतम तकनीकियों एवं नई किस्म के बारे में जानकारी दी जबकि सश्य वैज्ञानिक वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव ने विभिन्न सब्जियों में पोषण विषयक जानकारी दी। यह कृषक भ्रमण सी पी अवस्थी जिला उद्यान अधिकारी कन्नौज के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

स्वतंत्र हित
हिन्दी दैनिक
कानपुर, शनिवार 2 मार्च 2024 पृष्ठः 8

आलू उत्पादक किसानों ने सब्जी अनुभाग का किया भ्रमण

स्वतंत्र हित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी अनुभाग केंद्र कल्याणपुर में आज जनपद कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने भ्रमण कर सब्जी उत्पादन की तकनीकी/बारीकियों की जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ राम बटुक सिंह ने आलू उत्पादन की नवीनतम तकनीकियों के बारे में किसानों को विस्तार से अवगत कराया। डॉ संजीव कुमार ने किसानों को मसाला फसलों की नवीनतम तकनीकियों एवं नई किस्म के बारे में जानकारी दी जबकि सश्य वैज्ञानिक वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव ने विभिन्न सब्जियों में पोषण विषयक जानकारी दी। यह कृषक भ्रमण सी पी अवस्थी जिला उद्यान अधिकारी कन्नौज के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com

आलू उत्पादक किसानों ने सब्जी अनुभाग का किया भ्रमण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी अनुभाग केंद्र कल्याणपुर में जनपद कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने भ्रमण कर सब्जी उत्पादन की तकनीकी/बारीकियों की जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ राम बटुक सिंह ने आलू उत्पादन की नवीनतम तकनीकियों के बारे में किसानों को विस्तार से अवगत कराया। डॉ संजीव कुमार ने किसानों को मसाला फसलों की नवीनतम तकनीकियों एवं नई किस्म के बारे में जानकारी दी।जबकि सश्य वैज्ञानिक वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव ने विभिन्न सब्जियों में पोषण विषयक जानकारी दी। यह कृषक भ्रमण सी पी अवस्थी जिला उद्यान अधिकारी कन्नौज के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

और व्याकरण की कठिनता के लिए प्रसिद्ध ध्रुपद-धमार के गायक आज देश

...के लिए सुबोध बनाने का ...के ध्रुपद गायन में अब ...युवा जुड़ रहे हैं।

दैनिक जागरण 02/03/2024

सीएसए ने साकार किया हरित क्रांति का सपना

आजादी के दो दशक बाद तेजी से बढ़ती आबादी ने देश के नीति नियंताओं के माथे पर चिंता की लकीरें गाढ़ी कर दी थीं। स्वतंत्रता की भूख मिट चुकी थी लेकिन अब पेट की चिंता थी। देश के सामने खाद्यान्न का संकट मुंह बाए खड़ा था। पारंपरिक खेती कर रहे किसान केवल छोटे और मोटे किस्म के अनाज ही उगा रहे थे। सरकार के सामने अन्न आयात करने का विकल्प था लेकिन खजाने की हालत इस भारी-भरकम खर्च को संभालने लायक नहीं थी। तब अनाज की उपज बढ़ाने के लिए देश में हरित क्रांति का उदय हुआ। इस सपने को साकार करने में चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों के ज्ञान व अनुसंधान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मेक्सिको से आए गेहूं के बीजों को खेतों में सफलतापूर्वक उगाया। इससे उत्पन्न बीजों से ही भारतीय जलवायु के अनुकूल नई प्रजातियां विकसित कर खाद्यान्न उत्पादन को कुछ ही वर्षों में दोगुणा से भी ज्यादा बढ़ा दिया।

हरित क्रांति में अहम भूमिका निभाने वाले गेहूं की फसलों की विकास यात्रा ने सीएसए में अपना मुकाम हासिल किया। विश्वविद्यालय के शोध निदेशक डा. पीके सिंह बताते हैं कि खाद्यान्न उत्पादन की समस्या से जूझ रहे देश के सामने खाद्यान्न आयात के अलावा दूसरा विकल्प आत्म निर्भरता का था। 1962 में देश के तत्कालीन कृषि मंत्री सी सुब्रमण्यन ने अमेरिका के राकफेलर फाउंडेशन से अनाज उत्पादन में मदद मांगी। फाउंडेशन ने मेक्सिको के कृषि विज्ञानी व हरित क्रांति के जनक डा. नार्मन अर्नेस्ट बोरलाग से संपर्क किया। उन्होंने गेहूं की चार प्रजाति और 630 बीज उत्पादन तत्वों यानी ब्रीडिंग मटीरियल भारत भेजा। इसमें सोनौरा 63 व 64, मायो- 64 लार्मारोजो 64-ए शामिल थीं। मेक्सिको की जलवायु और कृषि तकनीक के लिहाज से ये प्रजातियां बहुत सफल थीं लेकिन इनका प्रयोग भारतीय जलवायु में किया जाना था। तब सीएसए के विज्ञानियों ने सोनौरा-64 और लार्मारोजो 64-ए को उगाकर दिखा दिया। कृषि विज्ञानियों की देखरेख में कानपुर के दो गांवों सोना व कल्याणपुर के किसानों को उत्पादन के लिए बीज दिया गया। सफल उत्पादन ने देश भर के किसानों को नई राह दिखाई और हरित क्रांति की बयार बह निकली।

देश में आज जरूरत से ज्यादा गेहूं का उत्पादन

वर्ष 1967 से 68 के दौरान कई प्रजातियों का विकास किया गया जिनका प्रति हेक्टेयर उत्पादन मेक्सिको की मूल प्रजाति से भी ज्यादा पाया गया। सीएसए से अब तक गेहूं की 42 प्रजातियों को विकसित किया जा चुका है। 1965 में विकसित के-65 और 1968 की के-68 प्रजाति का चलन अब तक बना हुआ है। इसका परिणाम है कि आज देश में गेहूं का उत्पादन 190 मिलियन टन से ज्यादा है जो देश की कुल जरूरत का लगभग 30 मिलियन टन ज्यादा है।

कल्याणपुर के सोना गांव में गेहूं फसल का निरीक्षण करने पहुंचे अमेरिकी कृषि विज्ञानी डा. नार्मन ई बोरलाग ● फाइल फोटो

30 मिलियन टन ज्यादा गेहूं का उत्पादन हो रहा है इस समय देश में जरूरत के मुकाबले

यहीं विकसित हुई रोग रोधी कल्याण-सोना प्रजाति

मेक्सिको के बीजों का खेत मे उत्पादन करने के अलावा विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने जो दूसरा महत्वपूर्ण कार्य किया, वह नई प्रजातियों का विकास है। मेक्सिको से जो बीज आया था उसमें विभिन्न रोगों से संबंधित समस्याएं थीं। भूरा रतुआ रोग और बालियों को झड़ने से रोकने की चुनौती थी। सीएसए के विज्ञानियों ने तब कल्याण- और सोना-227 में इन दोनों बीमारियों की पहचान की। सबसे पहले भूरा रतुआ रोग विरोधी नई प्रजातियों का विकास किया गया। कल्याणपुर और सोना गांव मे दोनों प्रजातियों का विकास होने की वजह से इसे कल्याण-सोना प्रजाति नाम दिया गया। इससे हरित क्रांति को मजबूत आधार मिला और गेहूं उत्पादन में लगातार नई प्रजातियां तैयार होती गईं।

देश मे हरित क्रांति के जनक कहे गए प्रो. एमएस स्वामीनाथन ने सीएसए में अध्ययन करने के दौरान गेहूं की प्रजातियों पर काम किया है। विश्वविद्यालय के सभी विभागो ने पिछले दशको मे नवीन प्रजातियों का विकास कर किसानो को समृद्ध बनाने में योगदान किया है। अब तकनीकी ज्ञान को शामिल कर भविष्य में किसानो के लिए खेती की सटीक तकनीक का विकास करने मे जुटे है। इससे कृषि क्षेत्र मे एक और क्रांति आएगी।

\- डा. आनंद कुमार सिंह, कुलपति सीएसए

42 प्रजातियां विकसित हुईं सीएसए में अब तक गेहूं की

सीएसए भवन ● जागरण आर्काइव

जन एक्सप्रेस

कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने किया भ्रमण

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग केंद्र कल्याणपुर में शुक्रवार को जनपद कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने भ्रमण किया। उन्होंने विभागाध्यक्ष डॉ.राम बटुक सिंह ने आलू उत्पादन की नवीनतम तकनीकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। वही डॉ.संजीव कुमार द्वारा किसानों को मसाला फसलों की नवीनतम तकनीकियों एवं नई किस्म के बारे में बताया गया। कार्यक्रम मे सश्य वैज्ञानिक वैज्ञानिक डॉ.राजीव ने विभिन्न सब्जियों में पोषण विषयक जानकारी दी। यह कृषक भ्रमण सी.पी.अवस्थी जिला उद्यान अधिकारी कन्नौज के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 15 अंक : 240 कानपुर, शनिवार 02 मार्च 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आलू उत्पादक किसानों ने सब्जी अनुभाग का किया भ्रमण

कानपुर । सीएसए के सब्जी अनुभाग केंद्र कल्याणपुर में जनपद कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने भ्रमण कर सब्जी उत्पादन की तकनीकी/बारीकियों की जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ राम बदुक सिंह ने आलू उत्पादन की नवीनतम तकनीकियों के बारे में किसानों को विस्तार से अवगत कराया। डॉ संजीव कुमार ने किसानों को मसाला फसलों की नवीनतम तकनीकियों एवं नई किस्म के बारे में जानकारी दी जबकि सश्य वैज्ञानिक वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव ने विभिन्न सब्जियों में पोषण विषयक जानकारी दी।

आलू उत्पादक किसानों ने सब्जी अनुभाग का किया भ्रमण

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 1 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी अनुभाग केंद्र कल्याणपुर में आज जनपद कन्नौज के आलू उत्पादक किसानों ने भ्रमण कर सब्जी उत्पादन की तकनीकी बारीकियों की जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ राम बटुक सिंह ने आलू उत्पादन की नवीनतम तकनीकियों के बारे में किसानों को विस्तार से अवगत कराया। कृषि वैज्ञानिक डॉ संजीव कुमार ने किसानों को मसाला फसलों की नवीनतम तकनीकियों एवं नई किस्म के बारे में जानकारी दी। जबकि सश्य वैज्ञानिक वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव ने विभिन्न सब्जियों में पोषण विषयक जानकारी दी। यह कृषक भ्रमण सी. पी. अवस्थी जिला उद्यान अधिकारी कन्नौज के नेतृत्व में संपन्न हुआ।.